बिजनेस यहां है तो ऐसा उचित समझा गया कि ऐसे अधिकारी जिनका खुद का घर यहां है या जिनका कारोबार यहां है, उनको यहां रखना ठीक नहीं होगा और इसलिये ऐसे अधिकारियों को यहां से बदला जा रहा था।

MR. CHAIRMAN: Next question.

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir, how can an officer do business whether in Delhi or elsewhere? Is it permitted under the rules of Government of India? Is it proper for a police officer to have other business bssLdes their official duties ^vhether they are in De/hi or anywhere else? The Minister says that they have been transferred from Delhi because they were found to have some business or some other preoccupation besides their official duties. Is it permitted under the Government of India rules fop police officers to have any business other than their official duties?

श्री धनिक लाल मण्डल : महोदय, मैंने इतना ही कहा कि जिनका यहां दिल्ली में कारोबार है, घर है, उनको यहां से बदलना उचित समझा गया, पुलिस प्रशासन में सुधार लाने के लिये।

DR. V. B. SINGH; Sir, her question *its* in order. 'Karobar' is the same thing as business.

श्री चरण सिंह : महोदय, मैं जरा साफ कर देना चाहता हूं। माननीय केसरी जी का सवाल यह था कि क्योंकि तीन आई०जी० का एक दम ट्रांसफर कर दिया गया, इसलिये दिल्ली में अशान्ति की भावना थी। यह गलत है। केवल दो आई०जी० का ट्रांसफर हुआ और उनमें से एक आई० जी० का ट्रांसफर खुद उनकी इच्छा से हुआ। डी० आई० जी० के ट्रांसफर की जो बात है, यहां 23 आई०पी० एस० आफिसर्स हैं। इन 23 में 17 वे हैं, जो यहां के रेजिडेंट हैं। जो कि साउंड एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ हैं कि कोई आदमी वहां पर बड़ा अधिकारी रहे जहां पर कि वह रहने वाला है। क्योंकि एक बड़ा शहर है और बड़ी आबादी है इसलिए हम सब को तो यहां से नहीं हटाना चाहते हैं, लेकिन कम से कम 11 हम रखना चाहते हैं जो यहां के रहने वाले हों और 11 ऐसे आई० पी० एस० अधिकारी है जो बाहर के रहने वाले हैं। इसलिये कुछ का ट्रांसफर किया गाया। बाकी यह कि किस का क्यों हुआ, यह बताना मैं आवश्यक नहीं समझता।

श्रीमती अम्बिका सोनी : क्या माननीय मन्त्री जी ने अपना वक्तव्य बदल दिया है? वे इस बात से इन्कार करें कि उन्होंने पहले गलत कारण दिए थे।

•225. *[The questioner (Shri* Af. *Kadershah) was absent. For answer^* vide col. 44 infra].

A.I.R. Station at Port Blair

•226. SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHLf SHRI MULKA GOVINDA REDDY: SHRI R. D. JAGTAP AVER-GOANKAR: .... SHRI SYED NIZAM-UD-DIN: SHRI LALBUAIA;

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration for making the AIR station at Port Blair into a multi-lingual station in view of the multi-lingual community living in the Andaman and Nicobar Islands;

(b) if so, what are the details thereof ;

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Nageshwar Prasad Shahi.

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, what are the reasons therefor;

(d) whether there is any proposal under Government's consideration to instal powerful transmitters and to open up additional channels for relaying daily programmes in the AIR station at Port Blair for the benefit of the residents of the Islands;

(e) if so, what are the details thereof; and

(f) if the answer to part (d) above be in the negative, what are the alternative proposals for better trans mission coverage by AIR Station at Port Blair?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI LAL K. ADVANI); (a) and (b) AIR Station at Port Blair is already a multi-lingual station as it broadcasts programmes in Hindi, English, Bengali, Tamil, Telugu, Malayalam and Nicobarese dialect.

(c) Does not arise.

(d) and (e) A proposal for setting up a 100 KW mediumwave trans mitter and permanent studios at Port Blair during the 6th Plan is under consideration but its implementation will depend on the approval of the Planning Commission and availa bility of financial resources. Hon'ble Members of the Committee on Subordinate Legislation, Rajya Sabha, who visited Andaman and Nicobar Islands in the first fortnight of January, 1978 have also written to the Ministry suggesting the streng thening of Mass Media in these islands. Their suggestions are being examined.

,

(f) Does not arise.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, माननीय मंत्री जी ने बताया कि सभी भाषाओं में प्रसारण होता है, मगर वहां के लोगों ने बताया कि ज्यादा प्रसारण केवल अंग्रेजी में होता है और बंगला में या तामिल में होता है, लेकिन हिन्दी में बहुत कम प्रसारण होता है। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह बताना चाहता हूं कि वहां जो लोग बस गए हैं, पहले उनको कैदियों के रूप में भेजा गया था चाहे वे भारत के किसी भी हिस्से के हों, मगर उनकी आपस की भाषा हिन्दी है और सभी लोग आपस में हिन्दी में ही बातचीत करते हैं, चाहे वे तमिल नाडु के लोग हों या बंगाल के लोग हों। हम यह चाहते हैं कि प्रसारण जो है वे तामिल में, तेलुगु में और हिन्दी में ज्यादा हों, जिनको वहां की जनता समझे। अंग्रेजी में प्रसारण कम किए जाएं। एक और बात मैं यह कहना चाहता हूं कि वहां पर एक अखबार भी निकलता है, वह भी अंग्रेजी में निकलता है। अगर यह अखबार तेलुगु, तामिल में निकले तो हम लोगों को बहुत खुशी होगी। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे इस बात का प्रयास करेंगे कि वहां के प्रसारण ज्यादा से ज्यादा हिन्दी यानी देसी भाषा में रखे जाएं। तामिल, तेलुगु और अंग्रेजी में कम प्रसारण किए जाएं। साथ ही साथ जो अखबार अंग्रेजी में निकलता है उसको भी देसी भाषा में निकलवाया जाए।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : मुझे इस बात की जानकारी है कि अंडमान, निकोबार आइलैंड्स में साधारण लोगों की सम्पर्क की भाषा हिन्दी है। प्रमुख रूप से वहां पर हिन्दी ही बोली जाती है, यद्यपि वहां पर तामिल भाषा, तेलुगु भाषा, मलयालम भाषा और बंगला भाषा, ये चार प्रमुख भाषाएं हैं। यह धारणा सही नहीं है कि आकाशवाणी से वहां पर ज्यादा अंग्रेजी में बातें आती हैं। मैंने एक महीने का सैम्पल मंगवाया है। नवम्बर, 1977 का सैम्पल मैं आपके सामने रखना चाहूंगा जिसमें कुल मिला कर जितने स्पोकन वर्ड्स प्रोग्राम थे, म्युजिक आदि को छोड़ दीजिए, स्पोकन वर्डस प्रोग्रामों में 56.32 प्रतिशत हिन्दी के कार्यक्रम हैं,

12.01 प्रनिशत निकोबारीज के प्रोग्राम है। यह बात सही है कि 18 प्रतिशत अंग्रेजी है लेकिन मह कहना कि अंग्रेजी ज्यादा है ठीक नहीं है । बाकी कार्यक्रम तेलगु, तामिल, मलयालभ, दिकोबारीज में आते हैं। मैंणे पहले ही कहा कि हम जानते हैं कि वहां की सन्पर्क भाषा हिन्दी है । इसीलिए हिन्दी को यहां पर प्रमुख स्थान मिलना चाहिए और उस दिशा में प्रयास चल रहा है ।

MR. CHAIRMAN: Is there any second supplementary question?

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्।, मंत्री जी ने कहा कि प्रयास चल रहा है इसी तरह का जवाब हम पिछले 10–12 सालों से सुनते चले आ रहे हैं, हर काम में यही जवाब आता है कि प्रयास चल रहा है । मैं कहना यह चाहता हूं कि इस प्रयास की कोई सीमा बांधी जानी चाहिए कि एक महीने, दो महीने या साल भर में यह काम होगा, क्योंकि केवल प्रयास की तो कोई सीमा नहीं होती है । इसलिए श्रीमन्, मैं यह चाहता हूं कि इस प्रयास के लिए कोई सीमा बांधी जाये, जिससे कि काम जल्दी हो जाये ।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी : कोई सीमा नहीं होती, लेकिन मैंने तो दिशा का संकेत किया है । मैं यह कह सकता हूं कि विशेषकर 1976 से इस दिशा में और उसके बाद अभी इस महीने में जिसको बिल्कुल काशस एफर्ट कहते हैं वह हुआ है तथा हिन्दी के कार्यक्रम, पांच साढ़े पांच गुना बढ़ गये हैं ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : फिर वहां के हाई कमिश्नर क्यों अंग्रेजी चलाते हैं ?

SHRI MULKA GOVINDA REDDY: Sir, in view of the importance, particularly the startegic importance of these islands and in view of the fact that these islands are cut off from the main land by nearly a thousand miles and also in view of the fact that communications are very pior and newspapers are not published in any other language except in English and that too a Government newspaper, I would like to know whether the Government will decide to increase the broadcasting time in all the languages from the Port Blair AIR Station and whether they are going to install a powerful transmitter in these islands.

SHRI LAL K. ADVANI: Sir, I appreciate this requirement. The Government is fully conscious of it and in the sixth Plan proposals, there is a proposal to set up a 106 KWH medium-wave transmitter there and that has been included in the Plan. But as I said at the outest, its implementation will depend upon the availability of other resources.

SHRI U. R. KRISHNAN; I would like to know from the hon. Minister whether the Government has taken or collected any statistics by conducting a survey to find out in which language the people there would like to hear the news and other broadcasting programmes.

SHRI LAL K. ADVANI: We have a Department which constantly keeps survey of these programmes and decides how much percentage should be there for different languages. These surveys are taken into account.

SHRI ABU ABRAHAM: Since English is the link language between different language groups, is there not a strong case for increasing the percentage of English broadcasting, because that is probably the language which is followed by the largest number of people, taking Tamils, Bengalis, Biharis and others all together?

SHRI LAL K. ADVANI: The point of view which is expressed is to explain why 18 per cent of the content is in English. This is also a fact that English-knowing people in any part of the country are small in number, and

the link language in the Andamans and Nicobar islands is Hindi, not English.

MR. CHAIRMAN: Mr. Raha, you want to ask?

SHRI SAN AT KUMAR RAHA: Yes, Sir.

MR. CHAIRMAN; You were also in that Committee?

SHRI SANAT KUMAR RAHA: Sir, there are at least 25,000 refugees from West Bengal rehabilitated in the Andamans. I want to know whether there is any special programme for the Bengali speaking people there.

SHRI LAL K. ADVANI; Bengali is also one of the languages which is used for broadcasts from Port Blair.

Swatantra Senani Sadan

*227. SHRI HARSH DEO MALAVIYA:t
SHRI NRIPATI RANJAN CHOUDHURY: DR. V. P. DUTT: Will the Minister of HOMH AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the unsatisfactory living conditions prevailing in the Swatantra Senani Sadan in New Delhi;

(b) if so, what steps are being taken or proposed to be taken to improve the living conditions in the Sedan;

(c) what is the annual expenditure incurred by Government on the Sadan during the last three years;

(d) what is the number of officials and other workers who look after the Sadan and what salaries are drawn by them every month; end

(e) what is the number of frtedww fighters lodged there?

IThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Harsh Deo Malaviya.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS; (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) and (b) The Government are not aware of any specific complaint regarding the unsatisfactory living conditions.

(c) 1975-76 Rs. 83,394
1976-77 Rs. 86,617
1977-78 Rs. 90,000 (estimated).

(d) Apart from one Gazetted Superintendent, there are 9 Non-Gazetter employees in the Sadan. About Rs. 5,000$- is spent oVi their salaries every month.

(e) The present number of freeom fighter lodged in Swantantra Senani Sadan is nine.

SHRI HARSH DEO MALAVIYA: Sir, it is a measure of the lack of knowledge and perception of the hon. Minister that he is not aware whether there has actually been fighting. There has been fighting and beating inside the Sadan. I would request the hon. Minister to kindly find this out as he has a big intelligence staff. Then, why is it that the number of freedom fighters is limited only to nine? Why is it that only nine people have been given preference and who are those nine persons? Can you please inform us?

श्री धनिक लाल मण्डल : नहीं, महोदय वहां पर आपस में किसी प्रकार का कोई झगड़ा या मारपीट नहीं हुई। माननीय सदस्य की यह गलत खबर है ।

श्री हर्षदेव मालवीय : हुआ है । आपको क्या बताएं ?

श्री धनिक लाल मण्डल : नहीं महोदय, किसी प्रकार का झगड़ा या किसी प्रकार की मारपीट वहां नहीं हुई है । एक